रणजीत टाइम्स

इंदौर

सोमवार, 17 नवम्बर, 2026

वर्ष 02 | अंक 271 कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

हैदराबाद कार्यक्रम को लेकर राहुल गांधी पर लोकतंत्र की छवि बिगाड़ने का आरोप

नई दिल्ली। कांग्रेस के हैदराबाद में आयोजित 'भारत समिट 2026' को लेकर भाजपा ने राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। भाजपा ने कार्यक्रम को तंज कसते हुए 'भारत बदनाम समिट' करार दिया।



भाजपा का आरोप है कि

राहुल गांधी और कांग्रेस नेताओं ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत और भारतीय लोकतंत्र को लेकर ऐसी बातें रखीं, जिनसे देश की छवि को नुकसान पहुंचता है। पार्टी ने कहा कि राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं और व्यवस्था पर विदेशों में सवाल उठाना उचित नहीं है।

कांग्रेस की ओर से

आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। भाजपा ने राहुल गांधी के बयानों को लेकर कांग्रेस से जवाब मांगा और आरोप लगाया कि विपक्षी राजनीति के लिए देश की प्रतिष्ठा को दांव पर लगाया जा रहा है।

25 लाख युवाओं को मिलेंगे टैबलेट

योगी सरकार ने बढ़ाया योजना का दायरा, अब 85 लाख युवा होंगे लाभान्वित

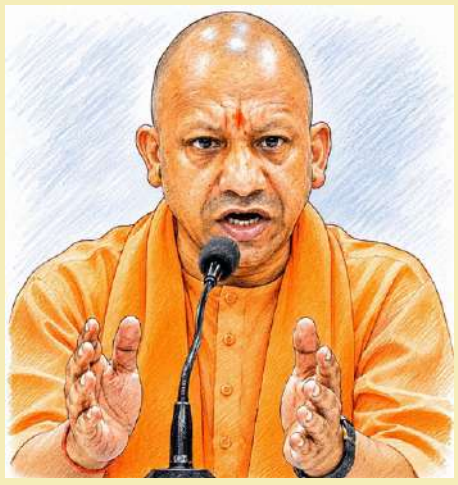

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने युवाओं को डिजिटल संसाधन उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना' के तहत 25 लाख अतिरिक्त टैबलेट वितरित करने के अभियान की शुरुआत की।

सरकार के अनुसार, योजना के तहत अब तक करीब 60 लाख युवाओं को स्मार्टफोन और टैबलेट दिए जा चुके हैं। नए चरण में 25 लाख और टैबलेट बांटे जाने के बाद लाभार्थियों की संख्या 85 लाख तक पहुंच जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संसाधनों की कमी किसी भी युवा की प्रतिभा के रास्ते में बाधा नहीं बननी चाहिए। सरकार का लक्ष्य युवाओं को तकनीक से जोड़कर शिक्षा, रोजगार और कौशल विकास के अवसरों तक उनकी पहुंच बढ़ाना है। योजना के विस्तार को प्रदेश में डिजिटल शिक्षा को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

CJP का संगठन विस्तार

10 राज्यों में नई समितियां, क्षितिज पगार और विवेक सांगवान को जोनल जिम्मेदारी

रणजीत टाइम्स
ranjeettimes.com

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) ने संगठन को देशभर में विस्तार देने के लिए नए जोनल प्रभारियों और समन्वय समितियों की घोषणा की है। क्षितिज पगार को पश्चिम जोन और डॉ. विवेक सांगवान को उत्तर जोन का प्रभारी बनाया गया है। उत्तर जोन की समन्वय समिति में मुहम्मद जुनैद और गीगराज जोरली को शामिल किया गया है।



पार्टी ने जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, हरियाणा, झारखंड, पूर्वोत्तर, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड के लिए भी समन्वय समितियां गठित की हैं। उत्तर प्रदेश में 16, महाराष्ट्र में 15, झारखंड और पूर्वोत्तर में 14-14 तथा बिहार में 13 सदस्यीय समिति बनाई गई है। CJP के मुताबिक, नई व्यवस्था का उद्देश्य राज्यों के बीच बेहतर तालमेल, संगठन की जमीनी मौजूदगी मजबूत करना और आम नागरिकों से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाना है।

ओवैसी-चंद्रशेखर पर रामगोपाल का तंज

सपा नेता बोले-अपने समुदाय के होकर भी भाजपा के समर्थन से राजनीति

रणजीत टाइम्स
ranjeettimes.com

नई दिल्ली। ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद के गठबंधन को लेकर समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव ने तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ नेता भले ही अपने-अपने समुदाय से आते हों, लेकिन उन्हें भारतीय जनता पार्टी का समर्थन प्राप्त है। रामगोपाल यादव ने ऐसे नेताओं को भाजपा की "कठपुतलियां" करार देते हुए कहा कि उनकी राजनीति का फायदा अंततः भाजपा को पहुंचता है। उन्होंने कहा कि जनता को यह समझने की जरूरत है कि चुनावी गठबंधनों और बयानों के पीछे राजनीतिक समीकरण क्या हैं। रामगोपाल के बयान के बाद विपक्षी दलों के बीच गठबंधन और वोटों के बंटवारे को लेकर बहस तेज हो गई है। हालांकि, ओवैसी और चंद्रशेखर की ओर से इस आरोप पर प्रतिक्रिया सामने आना बाकी है।



डायल-112 की तत्परता से बेहोशी की हालत में मिली महिला को तत्काल पहुंचाया अस्पताल



धर्मेन्द्र गुप्ता- एफआरव्ही स्टाफ ने समय पर उपलब्ध कराई सहायता एफआरव्ही-10 पर मंजू अहिरवार के नाम से इवेंट प्राप्त हुआ, जिसमें उनके द्वारा सास के मारपीट करने संबंधी सूचना दी गई थी। सूचना प्राप्त होते ही एफआरव्ही में तैनात आरक्षक विशाल पटवा एवं पायलट सोनू यादव ने तत्काल महिला के मोबाइल पर संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुआ। कॉलर की लोकेशन के आधार पर एफआरव्ही स्टाफ करैया खेड़ा रोड पहुंचा तथा महिला से बार-बार संपर्क करने का प्रयास किया। फोन रिसीव नहीं होने पर स्टाफ द्वारा आसपास तलाश करते हुए महिला के घर पहुंचकर जानकारी ली गई। घर पर महिला की सास, बहन एवं परिवार के अन्य सदस्य मिले। इस दौरान महिला घर में बेहोशी की अवस्था में मिली। परिजनों से जानकारी प्राप्त हुई कि महिला ने किसी पदार्थ का सेवन कर लिया है।स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एफआरव्ही स्टाफ ने बिना विलंब किए महिला को एफआरव्ही-10 के माध्यम से अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, विदिशा पहुंचाया, जहां उसे तत्काल उपचार हेतु भर्ती कराया गया। डायल-112 की त्वरित प्रतिक्रिया एवं एफआरव्ही स्टाफ की संवेदनशीलता और तत्परता से महिला को समय पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जा सकी।एफआरव्ही स्टाफ आरक्षक विशाल पटवा पायलट सोनू यादव

333 ग्राम पंचायतों में वार्ड अध्यक्षों की नियुक्ति से मजबूत होगा संगठन

इंदौर जिला कांग्रेस का पंच स्तर तक संगठन विस्तार अभियान तेज

रणजीत टाइम्स
ranjeettimes.com
सह संपादक अनिल चौधरी



इंदौर। जिला कांग्रेस द्वारा लगातार ग्राम पंचायत स्तर पर चौपाले लगाई जा रही है। ग्राम पंचायत चौपालों में वोट चोरी के मुद्दे पर आम जनता एवं कार्यकर्ताओं से चर्चा की जा रही है साथ ही मतदाता सूची का पुनरीक्षण कार्य किया जा रहा है एवं इंदौर जिले की सभी 333 ग्राम पंचायतों में पंच स्तर पर वार्ड अध्यक्ष की नियुक्तियां की जा रही है। पंच स्तर पर वार्ड अध्यक्ष की नियुक्तियां होना आने वाले समय में कांग्रेस के लिए मील का पत्थर साबित होगी।

जिला कांग्रेस कमेटी लगातार माइक्रो लेवल पर संगठन को गढ़ने का कार्य कर रही है। पंच स्तर पर वार्ड अध्यक्ष की नियुक्ति होने का अर्थ यह होगा कि लगभग हर 100 से 150 वोटर के बीच कांग्रेस अपना अध्यक्ष नियुक्त कर रही है जिससे आने वाले समय में कांग्रेस को भारी लाभ होने की उम्मीद है।

भाई दूज पर स्वाति काशिद का स्नेह

पत्रकार साथियों के लिए सजा पारंपरिक मराठी भोज



दीपावली के पावन पर्व पर आत्मीयता, अपनापन और मराठी संस्कृति की दिखी अनूठी झलक

दैनिक रणजीत टाइम्स
विशेष रिपोर्ट: रेणु केथवास

इंदौर | भाई-बहन के अटूट प्रेम और स्नेह के प्रतीक भाई दूज के पावन अवसर पर स्वाति काशिद द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी पत्रकार साथियों के लिए विशेष पारंपरिक मराठी भोज का आयोजन किया गया। दीपावली के बाद भाई दूज पर आयोजित होने वाला यह स्नेह भोज पत्रकार साथियों के बीच आत्मीयता और पारिवारिक संबंधों की एक सुंदर परंपरा बन चुका है। इस विशेष आयोजन में तरह-तरह के स्वादिष्ट पारंपरिक मराठी व्यंजनों ने सभी का मन मोह लिया। वहीं *स्वाति काशिद एवं युवराज जी का आत्मीय स्वागत, प्रेम और विशेष स्नेह* इस भोज के आनंद को दोगुना कर गया।

इस अवसर पर दैनिक रणजीत टाइम्स की कार्यकारी संपादक रेणु केथवास ने स्वाति काशिद से विशेष मुलाकात की और इस सुंदर परंपरा एवं पत्रकार साथियों के प्रति उनके स्नेह की सराहना की। स्वाति काशिद ने सभी पत्रकार साथियों को *दीपावली एवं भाई दूज की हार्दिक शुभकामनाएँ*देते हुए आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे का संदेश दिया। यह आयोजन केवल एक भोज नहीं, बल्कि पत्रकार परिवार के बीच आत्मीय रिश्तों, भारतीय संस्कृति और स्नेह की परंपरा का खूबसूरत उदाहरण रहा।



जनजातीय गौरव

दिवस की रैली रोकने पर भड़का आदिवासी समाज, तहसील कार्यालय में दो घंटे तक धरना

पुलिस की कार्रवाई से नाराज कार्यकर्ताओं ने जताया विरोध, प्रशासन के खिलाफ आंदोलन की चेतावनी

पुनीत सेन



खंडवा/खालवा। जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर धरती आबाभगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में खालवा में निकाली जा रही रैली को पुलिस द्वारा रोके जाने के बाद आदिवासी समाज में आक्रोश फैल गया। पुलिस की कार्रवाई से नाराज समाज के लोगों ने खालवा ब्लॉक चौराहे स्थित तहसील कार्यालय में धरना प्रदर्शन किया। जानकारी के अनुसार, जनजातीय गौरव दिवस पर आदिवासी समाज द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में यात्रा और रैली निकाली जा रही थी। इसी दौरान पुलिस ने रैली को रोक दिया। इसके बाद समाज के कार्यकर्ताओं ने बिना साउंड के रैली निकाली और प्रशासन की कार्रवाई के विरोध में धरने पर बैठ गए। प्रदर्शन के दौरान मौके पर तहसीलदार, एसडीएम सहित भारी पुलिस बल तैनात रहा। आदिवासी समाज के लोग करीब दो घंटे तक धरने पर बैठे रहे। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच नोकझोंक की स्थिति भी बनी। मामले ने राजनीतिक रूप भी ले लिया है। हालांकि, बाद में स्थिति शांत हुई, लेकिन आदिवासी समाज के लोगों ने प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए भविष्य में बड़े आंदोलन की चेतावनी दी है। फिलहाल क्षेत्र में स्थिति सामान्य है। प्रशासन की ओर से पूरे मामले में क्या स्पष्टीकरण दिया जाता है, इस पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

रणजीत टाइम्स

कृष्ण बाग कॉलोनी में 71 परिवारों के आशियानों पर संकट

रहवासियों के समर्थन में उतरी माँ करणी सेना

2014 में रजिस्ट्री, वर्षों से निवास, फिर भी बेदखली का डर! कुंवर धर्मेंद्र सिंह गौतम ने उठाई न्याय की आवाज, प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग

इंदौर | दैनिक रणजीत टाइम्स | विशेष रिपोर्ट

इंदौर की कृष्ण बाग कॉलोनी सेक्टर-सी में जमीन के स्वामित्व और कब्जे को लेकर वर्षों से चला आ रहा विवाद एक बार फिर चर्चा में है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, कॉलोनी के 71 परिवारों के सामने अपने आशियाने खोने का संकट खड़ा हो गया है। मकान खाली कराने की संभावित कार्रवाई को लेकर रहवासियों में चिंता और आक्रोश का माहौल है।

2014 में खरीदे प्लॉट

अब कब्जाधारी बताए जाने पर सवाल

रहवासियों का आरोप है कि उन्होंने वर्ष 2014 में विधिवत रजिस्ट्री के माध्यम से प्लॉट खरीदे और अपनी जीवनभर की जमा पूंजी लगाकर मकान बनाए। इसके बावजूद अब जमीन के स्वामित्व को लेकर उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कॉलोनीवासियों का सवाल है कि जब उनके पास रजिस्ट्री के दस्तावेज मौजूद हैं, तो उन्हें कब्जाधारी किस आधार पर बताया जा रहा है?

रहवासियों के समर्थन में पहुंचे

कुंवर धर्मेंद्र सिंह गौतम

इस मामले में माँ करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर धर्मेंद्र सिंह गौतम ने प्रभावित रहवासियों का समर्थन किया। उन्होंने कॉलोनीवासियों की समस्याओं को सुना और न्याय की मांग में उनके साथ खड़े रहने की बात कही। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि प्रभावित परिवारों के दस्तावेजों की निष्पक्ष जांच कर कानून के अनुसार उचित समाधान निकाला जाए।

हाईकोर्ट के आदेशों के बीच बढ़ी चिंता









कृष्ण बाग कॉलोनी से संबंधित जमीन विवाद पूर्व में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट तक पहुंच चुका है। जुलाई 2024 के एक आदेश में संबंधित याचिकाकर्ताओं को तहसीलदार के समक्ष अपने दस्तावेज प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया था। साथ ही उनके मामले का निर्णय होने तक मकान नहीं तोड़ने का निर्देश भी दिया गया था। हालांकि, इस आदेश का लाभ किन-किन परिवारों को मिलता है और वर्तमान कार्रवाई की कानूनी स्थिति क्या है, यह संबंधित न्यायालय आदेशों और प्रशासनिक रिकॉर्ड से स्पष्ट होना आवश्यक है।

15 नवंबर तक की मोहलत, 16 नवंबर की कार्रवाई पर सवाल

13 नवंबर को प्रकाशित एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि 71 मकान मालिकों को 15 नवंबर तक कब्जा हटाने की मोहलत दी गई है और 16 नवंबर को कार्रवाई की संभावना है। हालांकि, 16 नवंबर को वास्तव में कोई कार्रवाई हुई है या नहीं, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

प्रशासन से न्याय की गुहार

प्रदर्शनकारी रहवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि जमीन के मूल रिकॉर्ड, रजिस्ट्री दस्तावेजों और न्यायालय के आदेशों की जांच कर प्रभावित परिवारों के अधिकारों की रक्षा की जाए। यदि जमीन की खरीद-फरोख्त में कोई अनियमितता हुई है, तो जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाए। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि वर्षों पहले रजिस्ट्री कराकर मकान बनाने वाले परिवारों के अधिकारों का समाधान कैसे होगा?

इस पूरे मामले में प्रशासन तथा अन्य संबंधित पक्षों का विस्तृत आधिकारिक पक्ष सामने आना अभी बाकी है।

दैनिक रणजीत टाइम्स | राजनीति 24 न्यूज़
जनता की आवाज, न्याय की पहल।

विजय नगर में छठ पूजा महोत्सव में कुंवर धर्मेंद्र सिंह गौतम का भव्य स्वागत एवं सम्मान

पूर्वोत्तर सांस्कृतिक संस्थान ने किया सम्मान, छठ महापर्व को बताया आस्था, प्रकृति और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक

इंदौर। दैनिक रणजीत टाइम्स।

इंदौर के विजय नगर क्षेत्र में आयोजित छठ पूजा महोत्सव में धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक परंपराओं और सामाजिक एकता का सुंदर संगम देखने को मिला। इस अवसर पर पूर्वोत्तर सांस्कृतिक संस्थान, मध्यप्रदेश द्वारा माँ करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर धर्मेंद्र सिंह गौतम का विशेष स्वागत एवं सम्मान किया गया। कार्यक्रम में कुंवर धर्मेंद्र सिंह गौतम ने उपस्थित श्रद्धालुओं



को संबोधित करते हुए छठ महापर्व के धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, सूर्य उपासना, अनुशासन, श्रद्धा और पारिवारिक एकता का महान प्रतीक है। उन्होंने भारतीय संस्कृति की विविधता और एकता का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन समाज में आपसी प्रेम, भाईचारे और सद्भावना को मजबूत करते हैं। इस अवसर पर माँ करणी सेना की बाला ठाकुर का भी पूर्वोत्तर सांस्कृतिक संस्थान द्वारा स्वागत एवं सम्मान किया गया। महोत्सव में उपस्थित श्रद्धालुओं एवं समाजजनों ने छठ पूजा की पारंपरिक आस्था और सांस्कृतिक विरासत के प्रति सम्मान व्यक्त किया।

आयोजन ने पूर्वांचल की समृद्ध परंपराओं के साथ सामाजिक समरसता और भारतीय संस्कृति की एकता का संदेश दिया।

आत्महत्या का बढ़ता संकट

भारत में हर दिन 468 लोगों की मौत, मध्यप्रदेश में भी चिंताजनक आंकड़े

विशेष संपादकीय | दैनिक रणजीत टाइम्स

गोपाल गावंडे

दुनिया में सालाना 7.46 लाख, भारत में 1.70 लाख से अधिक मौतें; आखिर क्यों मानसिक पीड़ा को गंभीरता से नहीं ले रहा समाज?



इंदौर। भारत सहित पूरी दुनिया में आत्महत्या एक गंभीर जनस्वास्थ्य और सामाजिक चुनौती बनी हुई है। आधुनिकता, तकनीक और आर्थिक विकास के इस दौर में भी लाखों लोग मानसिक पीड़ा, तनाव और कठिन परिस्थितियों से जूझ रहे हैं। आत्महत्या के कारण होने वाली प्रत्येक मृत्यु के पीछे एक परिवार का दुख और समाज के लिए कई महत्वपूर्ण सवाल छिपे होते हैं। आंकड़े जो समाज को सोचने पर मजबूर करते हैं- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, वर्ष 2023 में दुनिया भर में अनुमानित 7.46 लाख लोगों की मृत्यु आत्महत्या के कारण हुई। यह औसतन लगभग 2,044 मौतें प्रतिदिन और 85 मौतें प्रति घंटे के बराबर है। भारत में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) के वर्ष 2024 के आंकड़ों के अनुसार, 1,70,746 आत्महत्याएँ दर्ज की गईं। यानी औसतन प्रतिदिन 468 और प्रति घंटे लगभग 19 लोगों की मौत। मध्यप्रदेश में इसी अवधि में 15,491 आत्महत्याएँ दर्ज हुईं, जो औसतन लगभग 42 प्रतिदिन हैं। ये आंकड़े केवल संख्याएँ नहीं हैं। ये बताते हैं कि मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक सहयोग और समय पर सहायता को प्राथमिकता देना कितना आवश्यक है।

आंकड़ों में पूरी तस्वीर

क्षेत्र	वर्ष	वार्षिक मौतें	प्रतिदिन औसत
विश्व	2023	7,46,000 (अनुमानित)	2,044
भारत	2024	1,70,746	468
मध्यप्रदेश	2024	15,491	42

स्रोतः WHO के वैश्विक अनुमान एवं NCRB के दर्ज आंकड़े। विभिन्न वर्षों और गणना पद्धतियों के कारण इनकी सीधी तुलना सीमित है।

आखिर क्यों बढ़ता है आत्महत्या का जोखिम?- विशेषज्ञों के अनुसार आत्महत्या का कोई एक कारण नहीं होता। मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ, आर्थिक कठिनाइयाँ, बेरोजगारी, कर्ज, पारिवारिक तनाव, सामाजिक अलगाव, हिंसा और अन्य परिस्थितियाँ मिलकर जोखिम बढ़ा सकती हैं। कई लोग अपनी परेशानियाँ दूसरों के साथ साझा नहीं कर पाते। समाज में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर मौजूद झिझक भी सहायता लेने में बाधा बन सकती है। हमें समझना होगा कि मानसिक स्वास्थ्य की समस्या कोई कमजोरी नहीं है। इसका उपचार और सहयोग संभव है।

युवा पीढ़ी के सामने बढ़ती चुनौतियाँ- पढ़ाई का दबाव, रोजगार की अनिश्चितता, पारिवारिक अपेक्षाएँ और सामाजिक तुलना युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती हैं। माता-पिता को बच्चों के परीक्षा परिणाम के साथ उनकी भावनात्मक स्थिति पर भी ध्यान देना चाहिए। शिक्षण संस्थानों में प्रशिक्षित काउंसलर और समय पर सहायता की व्यवस्था मजबूत करना आवश्यक है।

पुरुषों की चुप्पी और सामाजिक अपेक्षाएँ- हमारे समाज में पुरुषों से अक्सर अपेक्षा की जाती है कि वे हर परिस्थिति में मजबूत दिखाई दें। ऐसे में कुछ पुरुष आर्थिक, पारिवारिक या मानसिक समस्याओं के बारे में खुलकर बात करने से बचते हैं। पुरुष हों या महिलाएँ, मानसिक पीड़ा को समझना और सहायता उपलब्ध कराना समाज की साझा जिम्मेदारी है।

सरकार और समाज की जिम्मेदारी- मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को जिला और ग्रामीण स्तर तक सुलभ बनाना, आत्महत्या रोकथाम कार्यक्रमों को मजबूत करना और संकट में फंसे लोगों को समय पर सहायता उपलब्ध कराना जरूरी है। मीडिया की भी जिम्मेदारी है कि वह आत्महत्या से संबंधित खबरों को सनसनीखेज बनाने के बजाय संवेदनशीलता और तथ्यात्मकता के साथ प्रस्तुत करे।

हर व्यक्ति से एक अपील

हम प्रतिदिन अनेक लोगों से मिलते हैं, लेकिन क्या कभी उनके मन की स्थिति जानने का प्रयास करते हैं? किसी की चुप्पी, निराशा या व्यवहार में बदलाव को अनदेखा न करें। यदि कोई व्यक्ति जीवन समाप्त करने की बात करे, तो उसकी बात गंभीरता से सुनें, उसे सुरक्षित रखें और पेशेवर सहायता से जोड़ें। जीवन की कीमत किसी परीक्षा, नौकरी, कर्ज, रिश्ते या असफलता से तय नहीं होती। हमें ऐसा समाज बनाना होगा जहाँ मदद माँगने वाले व्यक्ति को शर्मिंदगी नहीं, बल्कि सम्मान, संवेदना और सहयोग मिले। आत्महत्या की रोकथाम संभव है। इसके लिए जागरूकता, संवाद, प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएँ और सामूहिक जिम्मेदारी आवश्यक हैं।

सहायताः मानसिक स्वास्थ्य संबंधी सहायता के लिए राष्ट्रीय टेली-मानस हेल्पलाइन 14416 और तत्काल आपात स्थिति में 112 पर संपर्क करें।

पेड़ की आत्मकथा

मैं पेड़ हूँ, मेरी भी एक कहानी है...



विशेष लेख
दैनिक रणजीत टाइम्स

मैं बोल नहीं सकता, लेकिन मेरी खामोशी में हजारों सवाल हैं। मैं चल नहीं सकता, लेकिन सदियों से तुम्हारे साथ खड़ा हूँ। मैं किसी से कुछ मांगता नहीं, फिर भी अपना सब कुछ तुम्हें देता हूँ।

मैं एक पेड़ हूँ...

कभी मैं भी एक छोटा-सा बीज था। किसी पक्षी ने मुझे धरती की गोद में गिराया था। मिट्टी ने मुझे अपनाया, बारिश ने मुझे सींचा और सूरज की किरणों ने मुझे जीना सिखाया। धीरे-धीरे मेरी जड़ें धरती में गहरी उतरती गईं और मेरी शाखाएँ आसमान को छूने लगीं। मैं बड़ा हुआ तो मेरी छाँव में राहगीर आराम करने लगे। पक्षियों ने मेरी डालियों पर अपने घर बनाए। बच्चों ने मेरी शाखाओं पर झूले डाले। बुजुर्ग मेरी छाँव में बैठकर अपने सुख-दुख बाँटने लगे। मैंने किसी से उसका धर्म नहीं पूछा, किसी की जाति नहीं देखी। अमीर हो या गरीब, इंसान हो या पशु-पक्षी, मेरी छाँव सबके लिए एक समान रही।

मैंने हमेशा दिया ही दिया। तुम्हें साँस लेने के लिए ऑक्सीजन दी, गर्मी में ठंडी छाँव दी, भूख में फल दिए, पक्षियों को आश्रय दिया और धरती को हरियाली दी।

लेकिन आज मैं दुखी हूँ...

जिस इंसान को मैंने जीवनभर सहारा दिया, वही इंसान आज अपने स्वार्थ के लिए मुझे काट रहा है। कभी सड़क चौड़ी करने के नाम पर, कभी मकान बनाने के नाम पर, तो कभी विकास के नाम पर मेरी हत्या कर दी जाती है। मैं विकास का विरोधी नहीं हूँ। मैं तो चाहता हूँ कि तुम्हारे शहर सुंदर बनें, सड़कें बनें, उद्योग लगें और देश आगे बढ़े। लेकिन क्या विकास के लिए मेरा अस्तित्व मिटाना जरूरी है?

क्या कंक्रीट के जंगलों में इंसान सचमुच सुखी रह पाएगा?

आज जब गर्मी बढ़ती है, जब धरती तपती है, जब पक्षियों को घोंसले नहीं मिलते और जब बारिश का पानी जमीन में नहीं समाता, तब तुम्हें मेरी याद आती है। तुम एयर कंडीशनर लगाते हो, लेकिन मेरी प्राकृतिक ठंडक को भूल जाते हो।

तुम कृत्रिम बगीचे बनाते हो, लेकिन पुराने पेड़ों को काट देते हो। तुम पर्यावरण दिवस पर मेरी पूजा करते हो, मेरे साथ तस्वीरें खिंचवाते हो, लेकिन अगले ही दिन मेरी सुरक्षा को भूल जाते हो। मुझे तुमसे कोई शिकायत नहीं, बस एक छोटी-सी विनती है। मुझे मत काटो। यदि किसी मजबूरी में एक पेड़ हटाना पड़े, तो उसके बदले कई नए पेड़ लगाओ और उन्हें बड़ा होने तक बचाओ। अपने बच्चों को केवल संपत्ति और धन ही नहीं, स्वच्छ हवा, शुद्ध पानी और हरी-भरी धरती भी विरासत में दो।

याद रखना, जिस दिन धरती से पेड़ समाप्त होने लगेंगे, उस दिन केवल जंगल नहीं उजड़ेंगे, बल्कि मानव जीवन का भविष्य भी संकट में पड़ जाएगा। मैं आज भी तुम्हारे लिए खड़ा हूँ। मेरी जड़ें आज भी धरती को थामे हुए हैं। मेरी शाखाएँ आज भी तुम्हें छाँव देने को तैयार हैं।

लेकिन अब फैसला तुम्हें करना है... तुम मुझे बचाओगे या आने वाली पीढ़ियों को केवल मेरी तस्वीरें दिखाओगे?

मेरी अंतिम पुकार
मैं पेड़ हूँ, मुझे जीने दो,
धरती को फिर से हरा होने दो।
मत काटो मेरी साँसों की डोर,
मैं ही हूँ जीवन का अनमोल छोर।
आज मुझे बचा लोगे अगर,
कल मुस्कुराएगा तुम्हारा घर।
मेरी हर पत्ती यही पुकारे,
पेड़ बचाओ, जीवन सँवारे।

विशेष अभियान

हरित भारत, सुरक्षित भविष्य
पेड़ केवल प्रकृति का हिस्सा नहीं, हमारी आने वाली पीढ़ियों की अमूल्य विरासत हैं।

अशोक मोदी को महाराजा अग्रसेन ग्लोबल अवार्ड मिलने पर छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ ने दी बधाई



कोरबा। छत्तीसगढ़ के प्रतिष्ठित व्यवसायी एवं समाजसेवी अशोक मोदी को 14 नवंबर को नई दिल्ली में आयोजित समारोह में महाराजा अग्रसेन ग्लोबल अवार्ड 2026 से सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि पर छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि अशोक मोदी का यह सम्मान कोरबा सहित पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव की बात है। व्यवसाय के क्षेत्र में उनकी प्रतिष्ठा और समाजसेवा के प्रति उनका समर्पण प्रेरणादायक है। संघ ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आशा जताई कि वे आगे भी समाजहित में इसी तरह अपना योगदान देते रहेंगे उपस्थित पदाधिकारी जिला अध्यक्ष विपेन्द्र कुमार साहू जिला सचिव जय सिंह नेताम संयोजक तपेश्वर राठौर सलाहकार कृष्ण निर्मलकर सत्येंद्र पुरी

एसटी मोर्चा जिला गरियाबंद ने छुरा में चलाया स्वच्छता अभियान, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने किया श्रमदान



छुरा। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति (एसटी) मोर्चा जिला गरियाबंद के तत्वावधान में नगर पंचायत छुरा में स्वच्छता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला कोषाध्यक्ष संतोष ध्रुव के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान जनप्रतिनिधियों, मोर्चा पदाधिकारियों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया।

स्वच्छता अभियान में नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लोकेश्वरी थानसिंह निषाद, सभापति चित्ररेखा ध्रुव, बलराज पटेल, गरिमा ध्रुव, रजनी लहरे, एल्डरमैन धर्मेंद्र चंद्राकर, ओबीसी मोर्चा जिला उपाध्यक्ष शंकर सेन, जिला मंत्री निखिल साहू एवं दिनेश साहू सहित मोर्चा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अभियान के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने साफ-सफाई कर श्रमदान किया तथा नगर को स्वच्छ और सुंदर बनाने का संकल्प लिया। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि स्वच्छता केवल किसी एक व्यक्ति या संस्था की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह हम सभी का सामूहिक दायित्व है। कार्यक्रम के माध्यम से नागरिकों को अपने घर, आसपास के क्षेत्र, नाली एवं सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने के लिए जागरूक किया गया। साथ ही लोगों से नगर पंचायत छुरा को स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित बनाने में सहयोग करने की अपील की गई। स्वच्छता अभियान के माध्यम से भाजपा एसटी मोर्चा के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने स्वच्छ नगर, स्वस्थ समाज का संदेश दिया।

पंडित जवाहरलाल नेहरूजी की जयंती एवं बाल दिवस पर कांग्रेसजनों ने किया माल्यार्पण

सलीम हुसैन



झाबुआ भारत के प्रथम प्रधानमंत्री एवं आधुनिक भारत के निर्माता पंडित जवाहरलाल नेहरू जी की जयंती एवं बाल दिवस के उपलक्ष्य में जिला कांग्रेस कमेटी झाबुआ द्वारा पंडित जवाहरलाल नेहरू जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता कांतिलाल भूरिया ने अपने वक्तव्य में पंडित जवाहरलाल नेहरू जी के जीवन, विचारों एवं राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि पंडित नेहरू जी बच्चों से विशेष स्नेह रखते थे, इसी कारण बच्चे उन्हें प्यार से चाचा नेहरू कहकर पुकारते थे। उनका मानना था कि बच्चे देश का भविष्य हैं और उनके उज्ज्वल भविष्य से ही राष्ट्र का निर्माण संभव है। इस कर्यक्रम में प्रमुख रूप से पूर्व केंद्रीय मंत्री कांतिलाल भूरिया, जिला महासचिव हेमेंद्र (बबलू) कटारा, हर्ष जैन, NSUI जिला अध्यक्ष नरवेश अमलियार, आदिवासी कांग्रेस जिला अध्यक्ष आयुष ओहारी, महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष श्रीमती गोरी कटारा, जनपद उपाध्यक्ष श्रीमती शीला भूरिया, सेवादल जिला अध्यक्ष दिलीप भूरिया, युवा कांग्रेस प्रवक्ता लौकेन्द्र बिलवाल, युवा कांग्रेस जिला महासचिव गुफरान कुरैशी, NSUI जिला महासचिव विनोद गणावा,जिला महामंत्री सुरेश समीर जैन सहित श्रीमती सारा बानो, हितेन्द्र सिंह राठौड़, प्रेम गुड़िया, संजय परमार, संतोष हटीला, श्रीमती सुनीता अलावा, कैलाश भूरिया, दीपक मखोडिया, खेमराज वसनिया एवं श्रीमती नम्रता सोलंकी सहित अन्य कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

काकनवानी पुलिस ने मर्ग जांच में किया चौंकाने वाला खुलासा

सलीम हुसैन

बेटे की आत्महत्या के बाद शासकीय योजनाओं का लाभ लेने के उद्देश्य से पिता ने शव कुएं में फेंका, दुर्घटना की झूठी कहानी बनाकर पुलिस को किया गुमराह- बेटे की आत्महत्या को कुएं में डूबने की दुर्घटना दर्शाने के लिए पिता ने शव को घर के पास स्थित कुएं में फेंका- मर्ग जांच में सामने आया पूरा घटनाक्रम, मिथ्या साक्ष्य देने पर पिता के विरुद्ध धारा 212 बी.एन.एस. के तहत इस्तगासा तैयार।

घटना का विवरण एवं पुलिस कार्रवाई - दिनांक 10.10.2026 को चौकी परवलिया, थाना काकनवानी पर सूचनाकर्ता भुन्डा पिता सडिया सिंगाडिया उम्र 55 वर्ष निवासी ग्राम खांदन द्वारा अपने पुत्र बबलू सिंगाडिया उम्र 29 वर्ष के कुएं में मृत अवस्था में मिलने की सूचना दी गई थी। सूचनाकर्ता ने बताया कि उसका पुत्र दिनांक 09.10.2026 को गुजरात के भावनगर से घर आया था। शाम को घर लौटने पर वह घर पर नहीं मिला। अगले दिन सुबह घर के पास स्थित कुएं में उसकी चप्पल दिखाई देने पर तलाश की गई, जहां उसका शव कुएं के पानी में मिला। सूचना पर मर्ग क्रमांक 57/2026 धारा 194 बी.एन.एस.एस. के तहत पंजीबद्ध कर जांच में लिया गया। जांच के दौरान मृतक का पोस्टमार्टम कराया गया, जिसमें डॉक्टर द्वारा मृत्यु का कारण फांसी लगाना लेख किया गया। मृतक के माता-पिता एवं पत्नी के कथनों में सामने आया कि घटना दिवस मृतक शराब पीकर घर आया था तथा पत्नी से विवाद के बाद ऊपर वाले कमरे में जाकर अंदर से दरवाजा बंद कर लिया था। बाद में कमरे में नायलॉन की रस्सी से फांसी लगाकर आत्महत्या करना सामने आया। मर्ग जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि मृतक के पिता भुन्डा सिंगाडिया ने पुत्र द्वारा आत्महत्या किए जाने के बाद उसके शव को कंधे पर उठाकर रात में घर के पास स्थित कुएं में डाल दिया था। इसके बाद सुबह कुएं में शव मिलने की झूठी कहानी गढ़कर ग्रामीणों एवं पुलिस को गुमराह किया तथा चौकी परवलिया में मिथ्या रिपोर्ट दर्ज कराई। इस प्रकार आत्महत्या की वास्तविक घटना को छिपाकर उसे कुएं में डूबने की दुर्घटना दर्शाने का प्रयास किया गया। मर्ग जांच के दौरान साक्षियों के कथनों, पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर सूचनाकर्ता भुन्डा पिता सडिया सिंगाडिया उम्र 55 वर्ष निवासी ग्राम खांदन के विरुद्ध मिथ्या साक्ष्य देने के संबंध में थाना काकनवानी पर धारा 212 बी.एन.एस. के तहत इस्तगासा तैयार किया गया।





विक्रमपुर में दक्ष प्रजापति आर्मी का कार्यक्रम आयोजित, डिंडौरी जिले में समाज के पदाधिकारियों की हुई नियुक्ति

शिवम प्रजापति

विक्रमपुर। दक्ष प्रजापति आर्मी मध्यप्रदेश के तत्वावधान में विक्रमपुर में सामाजिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में प्रजापति समाज के संगठन को मजबूत बनाने एवं समाज के लोगों को संगठित करने के उद्देश्य से डिंडौरी जिले के विभिन्न पदों पर पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई। इस दौरान प्रदेश एवं संभागीय पदाधिकारियों की उपस्थिति में जिला, जनपद, तहसील एवं विधानसभा स्तर पर संगठन की जिम्मेदारियां सौंपी गईं जारी नियुक्ति सूची के अनुसार आर.एन. प्रजापति



प्रदेश अध्यक्ष एवं संस्थापक, सहदेव मालवीय संभाग प्रभारी, श्री गजानंद जी जिला प्रभारी, जयराम जी प्रजापति प्रदेश विधि सलाहकार तथा नीलिमा देवी जी महिला उत्थान प्रदेश अध्यक्ष की भूमिका में हैं। वहीं डिंडौरी जिले में नारायण कुमार प्रजापति को जिला अध्यक्ष, चिरंजीव प्रजापति को जनपद अध्यक्ष बजाग, कल्लूसिंह तहसील अध्यक्ष बजाग, शिवम प्रजापति तहसील अध्यक्ष शहपुरा, भोला प्रजापति जनपद अध्यक्ष मेहंदवानी, चंपावती प्रजापति महिला उत्थान जिला अध्यक्ष डिंडौरी, भुजपाल प्रजापति तहसील अध्यक्ष डिंडौरी, राधेश्याम प्रजापति जनपद अध्यक्ष डिंडौरी, रमू चक्रवर्ती जनपद अध्यक्ष समनापुर, रोशन सिंह कश्यप डिंडौरी विधानसभा अध्यक्ष, विपिन प्रजापति जिला सचिव एवं धीरेंद्र चक्रवर्ती शहपुरा विधानसभा अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। कार्यक्रम के माध्यम से समाज में एकता, संगठन की मजबूती और सामाजिक उत्थान के लिए मिलकर कार्य करने का संदेश दिया गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों से संगठन के विस्तार एवं समाजहित में सक्रिय भूमिका निभाने की अपेक्षा की गई।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया बाल दिवस,
विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक लिया सहभागिता में भाग

कोरबा। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय साडा, कोरबा में बाल दिवस के अवसर पर विविध शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित जवाहरलाल नेहरू जी एवं मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं पूजन-अर्चन के साथ हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षकों ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को बाल दिवस के महत्व से अवगत कराते हुए जीवन में अनुशासन, परिश्रम, संस्कार एवं नैतिक मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा दी। प्राचार्य महोदय ने भी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर छात्राओं द्वारा भाषण, कविता एवं अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण विद्यार्थियों द्वारा आयोजित बाल मेले के अंतर्गत लगाए गए विभिन्न खाद्य स्टॉल रहे। प्राचार्य महोदय द्वारा मेले का उद्घाटन किया गया। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक चाट, भेल,दही बड़ा,वेज बिरयानी,गुपचुप, मोमोज, चाउमीन, पास्ता, लिट्टी-चोखा, शाही टुकड़ा सहित अनेक स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टॉल लगाए। छात्राओं ने स्वयं इन व्यंजनों की व्यवस्था एवं बिक्री की, वहीं विद्यालय के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने विभिन्न स्टॉलों पर पहुंचकर व्यंजनों का आनंद लिया। इस गतिविधि के माध्यम से बच्चों को रचनात्मकता, सहयोग एवं व्यवहारिक अनुभव प्राप्त हुआ।

बाल दिवस के उपलक्ष्य में विद्यालय परिवार की ओर से सभी विद्यार्थियों के लिए विशेष न्यौता भोज का आयोजन भी किया गया। इसमें जीरा राइस,





छोले, टमाटर की चटनी, हलुवा एवं पापड़ सहित विभिन्न व्यंजन परोसे गए, जिसका सभी विद्यार्थियों ने आनंदपूर्वक स्वाद लिया।

भोजन अवकाश के पश्चात विद्यार्थियों के लिए विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। छात्राओं ने पूरे उत्साह एवं उमंग के साथ खेलों में भाग लिया। प्रतियोगिताओं में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इस प्रकार विद्यालय में बाल दिवस का आयोजन शिक्षा, संस्कार, मनोरंजन, रचनात्मकता एवं आपसी सहयोग का सुंदर संगम रहा। पूरे कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई और दिनभर उत्साह एवं उल्लास का वातावरण बना रहा।

जनजातीय गौरव दिवस पर विदिशा में
गरिमामय जिला स्तरीय समारोह आयोजित



धर्मेन्द्र गुप्ता

भगवान बिरसा मुंडा के योगदान एवं जनजातीय समाज की गौरवशाली परंपराओं का किया स्मरण, हितलाभ और प्रशस्ति पत्र वितरित विदिशा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह का आयोजन सेमीनार हॉल, एसएटीआई पॉलिटेक्निक कॉलेज विदिशा में गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम में जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति, परंपराओं, स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय नायकों के योगदान तथा उनके बलिदान का स्मरण किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता कैलाश रघुवंशी, विधायक श्री मुकेश टण्डन, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रीति राकेश शर्मा, कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता, अखिल भारतीय सहरिया समाज के प्रदेश अध्यक्ष श्री फूल सिंह सहरिया समेत अन्य पदाधिकारी व विभिन्न विभागो के अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। इसके पश्चात मंचासीन अतिथियों एवं मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। समारोह में आयोजित सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से जनजातीय समाज की समृद्ध लोककला, परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत की आकर्षक झलक प्रस्तुत की गई। समारोह को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता कैलाश रघुवंशी, विदिशा विधायक श्री मुकेश टंडन एवं नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रीति राकेश शर्मा ने जनजातीय गौरव दिवस की शुभकामनाएं दीं। वक्ताओं ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन संघर्ष, उनके साहस, सामाजिक चेतना और देश की स्वतंत्रता के लिए दिए गए योगदान को याद करते हुए कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का जीवन अन्याय, शोषण और सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध संघर्ष करने की प्रेरणा देता है। उनके विचार आज भी समाज को स्वाभिमान, एकता और अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का संदेश देते हैं।

वक्ताओं ने कहा कि जनजातीय समाज की संस्कृति, परंपराएं, लोककला एवं प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण जीवनशैली भारतीय संस्कृति की महत्वपूर्ण धरोहर हैं। जनजातीय नायकों के योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाना और उनके आदर्शों से प्रेरणा लेना हम सभी का दायित्व है। शासन द्वारा जनजातीय समुदाय के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार तथा मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। हितलाभ एवं प्रशस्ति पत्र वितरित कार्यक्रम के दौरान अतिथियों द्वारा विभिन्न हितग्राहियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत हितलाभ वितरित किए गए।

जनजातीय समाज का सर्वांगीण विकास सरकार की विशेष प्राथमिकता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बोले-जनजातियों के सशक्तिकरण के लिए प्रदेश में संचालित हो रहीं अनेक योजनाएं

भोपाल। धार जिले के डही में हुए राज्य स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह में राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने धार जिलेवासियों को 1570 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाले 115 विकास कार्यों की सौगात दी। इसमें 1402 करोड़ रुपए के 8 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं 168.56 करोड़ रुपए के 107 कामों का भूमि-पूजन शामिल है। जनजातीय गौरव दिवस को और भी विशेष बनाते हुए राज्यपाल श्री पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डही माइक्रो सिंचाई उद्वहन परियोजना का लोकार्पण किया। कुल 1353.18 करोड़ रुपए की लागत से बनी इस सिंचाई परियोजना से धार और आलीराजपुर जिले के 126 गांवों की 47 हजार हेक्टेयर भूमि में नर्मदा जल से सिंचाई उपलब्ध होगी।

इस परियोजना से करीब एक लाख किसानों को सिंचाई की स्थायी सुविधा का लाभ मिलेगा। समारोह में विभिन्न शासकीय योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को हितलाभ वितरित कर क्षेत्र के प्रतिभाशाली लोगों को सम्मानित भी किया गया। इससे पहले



अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित करने के साथ भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण कर समारोह का विधिवत् शुभारंभ किया।

जन नायक बिरसा मुंडा का सम्पूर्ण जीवन प्रेरणा देता है- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर कहा कि जन नायक बिरसा मुंडा ने उलगुलान (महाविद्रोह) अभियान चलाकर जन, जल जंगल, जमीन और मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना प्राणोत्सर्ग कर दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मप्र सरकार की ओर से भगवान बिरसा मुंडा के राष्ट्र के लिए बलिदान को नमन करते हुए कहा कि उनका सम्पूर्ण जीवन हमें अपने राष्ट्र के लिए सर्वस्व न्यौछावर कर देने की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश सरकार जनजातीय समाज के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान और प्रधानमंत्री जनमन अभियान के माध्यम से जनजातीय बहुल क्षेत्रों में आवास, सड़क, बिजली, पेयजल, स्वास्थ्य और शिक्षा की सुविधाओं का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। प्रदेश में 2671 छात्रावासों के माध्यम से प्रतिवर्ष करीब 1.40 लाख विद्यार्थियों को आवासीय शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। जनजातीय विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति, उच्च शिक्षा, विदेश अध्ययन और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के अवसर दिए जा रहे हैं। युवाओं को कौशल प्रशिक्षण एवं स्वरोजगार से जोड़ने और महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। जनजातीय संस्कृति, परम्पराओं, कला और गौरवशाली विरासत के संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

प्रदेश में सिंचाई का रकबा तेजी से बढ़ा है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आशीर्वाद से मध्यप्रदेश के किसानों को बड़ी सौगातें मिल रही हैं। प्रदेश में सिंचाई का रकबा तेजी से बढ़ा है। माईक्रो डही सूक्ष्म उद्वहन सिंचाई परियोजना के लोकार्पण से मालवांचल के धार और आलीराजपुर को लाभ मिलेगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी के कुशल मार्गदर्शन में लगभग 1350 करोड़ रुपए लागत की डही सिंचाई परियोजना प्रारंभ हुई है। इससे 15 दिन पहले ही सरदारपुर में 2500 करोड़ से अधिक लागत की पाइप लाइन का लोकार्पण भी किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कवि रहीम के दोहे का उल्लेख करते हुए कहा कि जल ही जीवन हैं, जल के बिना जीना संभव नहीं है। नई सिंचाई परियोजना के माध्यम से अंचल के सभी लोगों को मां नर्मदा का जल उपलब्ध होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने जन्मदिवस के अवसर पर धार जिले को पीएम मित्र पार्क की सौगात दी। इससे क्षेत्र के 6 लाख से अधिक कपास उत्पादक किसानों को लाभ मिलेगा।

घाटी में पुलिसकर्मियों के शव डंपर में लाने का आरोप

बीजेपी विधायक बोलीं-हमारे शहीदों का अपमान ठीक नहीं

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में आतंकियों की गोली से मारे गए दो स्पेशल पुलिस ऑफिसर्स के शव डंपर में लाने के आरोप लगे हैं। बीजेपी विधायक शगुन परिहार ने आरोप लगाया कि पुलिसकर्मियों के शव ताबूत के बिना डंपर में रखकर उनके गांव लाए गए, जो शहीदों का अपमान है। सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में विधायक शगुन परिहार पुलिस अधिकारियों को शवों को लाने के तरीके पर फटकार लगाती दिख रही हैं। शुक्रवार को रशपाल सिंह और बॉबी चंद का उनके पैतृक गांव डच्छन के केयार में अंतिम संस्कार किया गया। दोनों बुधवार से लापता थे। गुरुवार सुबह उनके शव देहरना जंगल से करीब 2 किलोमीटर दूर मिले थे। दोनों के शरीर पर गोलियों के कई निशान थे। उनकी



सर्विस राइफल भी गायब थी। कांग्रेस ने भी आरोप लगाया कि शहीद हुए दो एसएचओ के पार्थिव शरीर बिना ताबूत के डंपर में घर पहुंचाए गए। पार्टी ने कहा कि ग्रामीणों को खुद स्ट्रेचर और सफेद कपड़े का इंतजाम करना पड़ा। मोदी सरकार हमारे शहीदों का अपमान करने से भी नहीं चूक रही है।

जंगल में गोलियों से छलनी मिले थे शव हथियार भी गायब

11 नवंबर की दोपहर मरवाह के देहरना जंगल में गोलीबारी की आवाजें सुनाई दी थीं। इसके बाद से ही दोनों एसएचओ लापता थे। गुरुवार सुबह सर्च ऑपरेशन के दौरान दोनों के शव गोलियों से छलनी मिले। उनके पास 60 राउंड वाली एक इंसास राइफल और 50 राउंड वाली एक 303 राइफल थी। दोनों के ही हथियार गायब थे।

ईंडिगो की गुवाहाटी फ्लाइट तकनीकी खराबी के चलते वापस पुणे लौटी

लैंडिंग गियर अंदर नहीं जा सका था, एयरपोर्ट पर इमरजेंसी घोषित



पुणे (एजेंसी)। पुणे से गुवाहाटी जा रही इंडिगो की फ्लाइट रविवार सुबह उड़ान भरने के कुछ देर बाद वापस पुणे लौट आई। विमान का लैंडिंग गियर ऊपर नहीं जा सका था और बाहर ही रह गया।

पायलट ने इसकी जानकारी एयर ट्रैफिक कंट्रोल को दी। इसके बाद पुणे एयरपोर्ट पर इमरजेंसी घोषित कर दी गई। विमान में यात्रियों और क्रू मेंबर्स समेत 192 लोग सवार थे। सभी सुरक्षित हैं और किसी के घायल होने की खबर नहीं है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए फायर ब्रिगेड, एंबुलेंस और अन्य बचाव दलों को अलर्ट पर रखा गया।

यात्रियों को गुवाहाटी भेजने के लिए दूसरे विमान की व्यवस्था

एयरपोर्ट अथॉरिटी के मुताबिक, विमान में सवार सभी 192 लोग सुरक्षित हैं। किसी को चोट नहीं आई। इंडिगो अब यात्रियों को गुवाहाटी पहुंचाने के लिए बेंगलुरु से दूसरा विमान पुणे भेजने की तैयारी कर रही थी। लैंडिंग गियर विमान के पहिए और उन्हें संभालने वाले हिस्से को कहते हैं। इन्हीं पहियों की मदद से विमान रनवे पर उतरता है और जमीन पर चलता है। उड़ान भरने के बाद ये पहिए विमान के अंदर चले जाते हैं, ताकि हवा में उड़ते समय रुकावट न हो।

एमपी में ई-अटेंडेंस से शिक्षकों के वेतन में कटौती की तैयारी

संगठनों ने दी ऐप के सामूहिक बहिष्कार की चेतावनी

संगठन ने कहा-प्रदेशभर के टीचर्स करेंगे इसका विरोध

भोपाल। मध्यप्रदेश के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की उपस्थिति अब ई-अटेंडेंस ऐप के जरिए दर्ज की जा रही है। शिक्षकों और शिक्षक संगठनों के लगातार विरोध के बावजूद यह व्यवस्था लागू की गई है और अब प्रदेशभर में इसका क्रियान्वयन हो रहा है। अब इसी ऐप के जरिए शिक्षकों की उपस्थिति के आधार पर वेतन की गणना और भुगतान करने की व्यवस्था शुरू करने की तैयारी है। राज्य शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष एवं अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा के संयोजक जगदीश यादव ने कहा कि प्रदेश के शिक्षकों में ई-अटेंडेंस व्यवस्था को



लेकर पहले से ही असंतोष है। यदि हमारे शिक्षक ऐप की ई-अटेंडेंस को सीधे वेतन भुगतान से जोड़कर देरी से उपस्थिति दर्ज होने पर स्वतः वेतन कटौती की व्यवस्था लागू की गई।

जनजातीय समाज के लिए 3 हजार करोड़ की योजनाएं की गई शुरू

- मोदी बोले-नक्सली हिंसा से सबसे ज्यादा नुकसान आदिवासियों को
- पीएम ने कहा-हमारी सरकार आने के बाद हमने इसका खात्मा किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि नक्सली हिंसा ने सबसे ज्यादा नुकसान जनजातीय समाज को पहुंचाया। 2014 में देश के करीब 125 जिले माओवादी और नक्सली हिंसा से प्रभावित थे। हर साल हजारों



लोगों और आदिवासियों की जान जाती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकारों ने इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया। नक्सली गरीब परिवारों के बच्चों और बेटियों को उठा ले जाते थे। हमने नक्सलवाद-माओवाद को खत्म किया। इससे अब आदिवासी महिलाओं और परिवारों में सुरक्षा का भरोसा बढ़ा है। पीएम रविवार को महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में आयोजित कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने जनजातीय समुदाय के लोगों से बातचीत की। पीएम ने तीन हजार करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया। साथ ही मिजोरम में ट्राइबल फ्रीडम फाइटर म्यूजियम का उद्घाटन भी किया। पीएम मोदी, राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने दिल्ली में बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि दी।

जागृत स्त्री

सुखी परिवार और श्रेष्ठ समाज का आधार है



स्त्री सृष्टि की आधारशिला है। वह केवल परिवार की धुरी ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के निर्माण की भी महत्वपूर्ण शक्ति है। आज की व्यस्त जीवनशैली में महिलाओं को अनेक भूमिकाएँ निभानी पड़ती हैं, जिसके कारण मानसिक तनाव, भावनात्मक दबाव और असंतुलन जैसी चुनौतियाँ सामने आती हैं। ऐसे समय में ध्यान स्त्री शक्ति के लिए एक अमूल्य साधन सिद्ध होता है, और सहजयोग इस दिशा में एक सरल एवं प्रभावशाली मार्ग प्रदान करता है। सहजयोग एक आत्म-साक्षात्कार आधारित ध्यान पद्धति है, जिसकी स्थापना श्री माताजी निर्मला देवी जी ने की। "सहज" का अर्थ है स्वाभाविक और "योग" का अर्थ है मिलन। यह वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से मनुष्य अपनी आंतरिक शक्ति, अर्थात् कुंडलिनी, के जागरण द्वारा अपने वास्तविक स्वरूप का अनुभव करता है। सहजयोग का ध्यान मन को शांत करता है, विचारों की अधिकता को कम करता है तथा आत्मविश्वास और आत्मसम्मान को बढ़ाता है। इससे महिलाओं में धैर्य, संतुलन और सकारात्मक दृष्टिकोण का विकास होता है। सहजयोग के अनुसार प्रत्येक महिला के भीतर मातृत्व, प्रेम, करुणा और संरक्षण की दिव्य शक्तियाँ विद्यमान हैं। ध्यान के माध्यम से ये गुण और अधिक प्रकट होते हैं, जिससे वह न केवल स्वयं को सशक्त बनाती है बल्कि अपने परिवार और समाज में भी सकारात्मक परिवर्तन ला सकती है। जब एक महिला अपने भीतर की शांति और शक्ति से जुड़ जाती है, तब वह जीवन की चुनौतियों का सामना अधिक सहजता और आत्मबल के साथ कर पाती है। श्री माताजी ने स्त्री धर्म का सर्वोच्च आदर्श प्रस्तुत करते हुए अपने जीवन में एक आदर्श पुत्री, पत्नी, माता और विश्वमाता की भूमिका का निर्वहन किया। उन्होंने परिवार की सभी जिम्मेदारियों को पूर्ण समर्पण के साथ निभाते हुए मानवता के आध्यात्मिक उत्थान का महान कार्य किया। गृहस्थ जीवन में रहते हुए उन्होंने यह सिद्ध किया कि आध्यात्मिकता और पारिवारिक कर्तव्य एक-दूसरे के पूरक हैं। मातृत्व, करुणा, प्रेम, क्षमा और त्याग जैसे स्त्री-सुलभ गुणों को उन्होंने अपने जीवन में चरितार्थ किया तथा सहजयोग के माध्यम से लाखों लोगों को आत्मसाक्षात्कार प्रदान कर विश्व में शांति, एकता और धर्म की स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया। श्री माताजी का जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि एक जागृत और संतुलित नारी पूरे समाज के उत्थान की प्रेरक शक्ति बन सकती है। सहजयोग महिलाओं को उनकी अंतर्निहित शक्तियों का अनुभव कराकर उन्हें मानसिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाता है। एक सशक्त और संतुलित महिलाही एक सशक्त परिवार, समाज और राष्ट्र की आधारशिला होती है। सहजयोग पूर्णतया व सदैव निशुल्क है, आप अपने नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं या वेबसाइट www.sahajayoga.org.in पर देख सकते हैं।

अजय सिंह पवार के नेतृत्व में भाजयुमो का शक्ति प्रदर्शन, आभार यात्रा में उमड़ा युवाओं का सैलाब

हजारों वाहनों के काफिले के साथ लसूड़िया से मांगलिया पहुंची 'युवा शंखनाद यात्रा', वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में हुआ युवा समागम

रणजीत टाइम्स-आदित्य शर्मा
ranjeettimes.com

इंदौर। भारतीय जनता युवा मोर्चा इंदौर ग्रामीण के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष अजय सिंह पवार के नेतृत्व में आयोजित पहली आभार यात्रा में युवाओं की बड़ी भागीदारी देखने को मिली। लसूड़िया से मांगलिया तक निकली 'युवा शंखनाद-आभार यात्रा' में हजारों वाहनों का काफिला शामिल हुआ। सांवेर, महू, देपालपुर और राऊ विधानसभा क्षेत्रों से पहुंचे कार्यकर्ताओं ने आयोजन में भागीदारी की। महू क्षेत्र से भी बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता शामिल हुए। यात्रा लसूड़िया से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गों से होते हुए मांगलिया स्थित मुरली गार्डन (हाट मैदान) पहुंची। मार्ग में जगह-जगह स्वागत किया गया। कारों और दोपहिया वाहनों के लंबे काफिले के साथ निकली यात्रा के बाद यहां युवा समागम आयोजित हुआ। जिला अध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारी मिलने के बाद पवार का यह पहला बड़ा आयोजन था।





वरिष्ठ नेताओं ने किया संबोधित

समागम में कैबिनेट मंत्री तुलसी सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, विधायक उषा ठाकुर, मधु वर्मा, मनोज पटेल, भाजपा जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा, प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष रीना सतीश मालवीय, जनपद अध्यक्ष विश्वजीत सिंह सिसोदिया, जितेंद्र आंजना, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष किरण सूर्यवंशी, अंतर सिंह, कंचन सिंह चौहान, पूर्व विधायक जीतू जिराती और भानु प्रताप सिंह चौहान सहित अन्य पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। कैबिनेट मंत्री तुलसी सिलावट और भाजपा जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा ने भाजपा की पंच निष्ठाओं का उल्लेख करते हुए युवाओं से अनुशासन और संगठन की विचारधारा के अनुरूप कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा संगठन की रीढ़ हैं और उनकी सक्रियता से संगठन मजबूत होता है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं विधायक उषा ठाकुर ने कहा कि स्वर्णिम भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। युवा मोर्चा का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्र निर्माण में अपनी जिम्मेदारी निभाए।

संगठन की मजबूती का संकल्प

नवनियुक्त जिला अध्यक्ष अजय सिंह पवार ने कहा कि भाजपा की रीति-नीति में संगठन ही शक्ति है और युवा उसकी रीढ़ हैं। युवा शंखनाद के माध्यम से कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत बनाने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया है। कार्यक्रम के समापन पर युवा कार्यकर्ताओं के लिए सहभोज आयोजित किया गया।

दिल्ली बना फोकस स्टेट

अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में 62 स्टॉल, महिला और छोटे कारोबारियों पर जोर



नई दिल्ली। भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में इस बार दिल्ली को फोकस स्टेट का दर्जा दिया गया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली मंडप का उद्घाटन किया। मंडप में कुल 62 स्टॉल लगाए गए हैं, जहां दिल्ली की विरासत, विकास और कारोबारी क्षमता को प्रदर्शित किया जा रहा है। खास तौर पर महिला उद्यमियों और छोटे कारोबारियों को मंच दिया गया है। मंडप में दिल्ली के स्थानीय उत्पादों, हस्तशिल्प और विभिन्न क्षेत्रों में हुए विकास की झलक दिखाई जा रही है। आयोजकों का जोर स्थानीय कारोबारियों को बाजार उपलब्ध कराने और उनके उत्पादों को व्यापक पहचान दिलाने पर है। दिल्ली सरकार का कहना है कि व्यापार मेला छोटे कारोबारियों और महिला उद्यमियों के लिए नए अवसर पैदा करने का माध्यम बनेगा।